कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर रचनावाद उपागम के प्रभाव का अध्ययन।

(गुजरात गाँधीनगर के संदर्भ में)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की

मास्टर ऑफ एजुकेशन आर. आई. ई. उपाधि

की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

लघु शोध रूपरेखा

वर्ष 2013–14

:: प्रस्तुतकर्ता ::

डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य
सह प्राध्यापक
शिक्षा विभाग

:: शोधकर्ता ::

हाजीपुरा केतन के.
एम.एड.
आर.आई.ई.

(क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान)

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर रचनावाद उपागम के प्रभाव का अध्ययन।

(गुजरात गाँधीनगर के संदर्भ में)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की
मास्टर ऑफ एजुकेशन आर. आई. ई. उपाधि
की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

Q – 416

एन सी ई आर टी
NCERT

लघु शोध रूपरेखा

वर्ष 2013–14

:: प्रस्तुतकर्ता ::
डॉ. श्रीमती रत्नमाला आर्य
सह प्राध्यापक
शिक्षा विभाग

:: शोधकर्ता ::
हाजीपुरा केतन के.
एम.एड.
आर.आई.ई.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान Regional Institute of Education, Bhopal पुस्तकालय Library

(क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान)
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

घोषणा-पत्र

मैं **केतनबेन के. हाजीपुरा** छात्रा एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ कि ***"कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर रचनावाद उपागम के प्रभाव का अध्ययन (गुजरात गाँधीनगर के संदर्भ में)"*** विषय पर लघु शोध प्रबंध (2013–14) में डॉ. रत्नमाला आर्य (सह प्राध्यापक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी. ई.आर.टी.) भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है।

यह लघु शोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2013–14 की उपाधि परीक्षा के आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध के लिए किया गया कार्य मेरा मौलिक कार्य है।

स्थान : **भोपाल**

दिनांक : 2/5/14

:: शोधकर्त्ता ::

Ketani

केतनबेन के. हाजीपुरा

एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान Regional Institute of Education, Bhopal मध्य प्रदेश
पुस्तकालय Library

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **केतनबेन के. हाजीपुरा**, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई.) की नियमित छात्रा है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध विषय ***"कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर रचनावाद उपागम के प्रभाव का अध्ययन (गुजरात गाँधीनगर के संदर्भ में)"*** मेरे निर्देशन में विधिवत् पूर्ण किया है। यह शोध कार्य लगन एवं निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) की एम.एड. (आर.आई.ई.) परीक्षा सत्र् 2013-14 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 2/5/14

:: निर्देशक ::

2/5/14

डॉ. रत्नमाला आर्य

(सह प्राध्यापक)

शिक्षा विभाग

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

<u>आभार ज्ञापन</u>

प्रस्तुत शोध कार्य *"कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर रचनावाद उपागम के प्रभाव का अध्ययन (गुजरात गाँधीनगर के संदर्भ में)"* की पूर्णता का सम्पूर्ण श्रेय मेरी निर्देशक डॉ. रत्नमाला आर्य (सह प्राध्यापक) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल को हैं, जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद उचित निरंतर परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा सौहार्दपूर्ण व्यवहार से अनवरत प्रोत्साहन देकर मेरी कठिनाईयों का निराकरण करके मुझे प्रगति की और अग्रसर करते हुए अपना अमूल्य समय और सहयोग प्रदान किया। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार, वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन मुझे आजीवन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्रो. एच.के. सेनापति प्राचार्य एवं डॉ. रमेश बाबू विभागाध्यक्ष (शिक्षा विभाग), क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ।

आदरणीय डॉ. एन.सी. ओझा, डॉ. किरन माथुर, श्री संजय पण्डागले, श्री आनन्द वाल्मिकी, श्री के.के. खरे एवं समस्त गुरूजनों के प्रति हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने समय-समय पर मार्गदर्शन देते हुए इस शोध कार्य की पूर्ण करने में सहयोग किया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष, श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों की आभारी हूँ। मैं धन्यवाद करती हूँ प्रेरणा विद्यालय के गुजरात गाँधीनगर के प्रधानाचार्य पारुल जी एवं विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा छठवीं के स्नेहिल विद्यार्थियों का, जिनके सहयोग से शीघ्र कार्य की सरलता से सफलतापूर्वक पूर्ण करने में सहायता प्रदान की।

मेरे शोध कार्य की पूर्णता में मेरे पति श्री बसंत कुमार, माता-पिता एवं अपने परिवार की आभारी हूँ। इस हेतु मैं उन्हें सहृदय से धन्यवाद प्रदान करती हूँ।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 2/5/14

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library

:: शोधार्थी ::

केतनबेन के. हाजीपुरा

एम.एड. (आर.आई.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

अध्याय	विवरण	पृष्ठ संख्या
•	घोषणा–पत्र	I
•	प्रमाण–पत्र	II
•	आभार ज्ञापन	III
•	विषय सूची	
प्रथम	**शोध परिचय**	**1–18**
1.0.0	प्रस्तावना	1
1.1.0	हिन्दी शिक्षण	3
1.1.1	प्रारम्भिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण	4
1.1.2	हिन्दी शिक्षा का दर्शन	5
1.2.0.0	रचनावाद क्या है?	6
1.2.1.0	रचनावाद (स्वयं सीखने का सिद्धान्त)	7
1.2.1.1	रचनावादी	7
1.2.1.2	पियाजे का रचनावाद	8
1.2.1.3	बायगोट्स्की का रचनावाद	9
1.2.1.4	रचनावादी कक्षा–कक्ष	9
1.2.1.5	रचनावाद अधिगम की परिस्थिति	11
1.2.1.6	रचनावाद में प्रयोग किये जाने वाले शिक्षण आव्यूह	12
1.2.1.7	रचनावाद क्यों महत्वपूर्ण है?	13
1.2.1.8	रचनावाद उपागम की आलोचना	13
1.3.0.0	अध्ययन की आवश्यकता	14
1.4.0.0	पारिभाषिक शब्दावली	16
1.4.1.0	रचनावाद उपागम	16
1.4.2.0	पारम्परिक विधि	17
1.4.3.0	शैक्षणिक उपलब्धि	17
1.5.0	समस्या कथन	17
1.6.0	अध्ययन के उद्देश्य	18

1.7.0	अध्ययन की परिकल्पना	18
1.8.0	अध्ययन की परिसीमाऐं	18
द्वितीय	**सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन**	**19-28**
2.0.0	प्रस्तावना	19
2.1.0	साहित्य के पुनरावलोकन का महत्व	20
2.2.0	पूर्व शोध आंकलन	21
2.3.0	संबंधित साहित्य के पुनरावलोकन का निष्कर्ष	28
तृतीय	**शोध प्रविधि**	**29-37**
3.0.0	प्रस्तावना	29
3.1.0	शोध प्रारूप	29
3.2.0	शोध विधि	30
3.2.1	प्रयोगात्मक विधि	30
3.2.2	प्रयोग का अर्थ एवं परिभाषा	30
3.3.0	Research Design	31
3.4.0	शोध में प्रयुक्त चर	32
3.4.1	स्वतंत्र चर	32
3.4.2	आश्रित चर	32
3.5.0	न्यादर्श	32
3.6.0	प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श चयन	32
3.7.0	उपकरण एवं तकनीक	33
3.7.1	उपलब्धि परीक्षण	33
3.7.2	प्रतिक्रिया मापनी	34
3.7.3	लेखन प्लान	34
3.8.0	उपचार	34
3.9.0	डाटा संकलन	37
3.10.0	प्रयुक्त सांख्यिकीय	37
चतुर्थ	**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या**	**38-44**
4.0.0	प्रस्तावना	38
4.1.0	रचनावाद उपागम	39

4.1.1	विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर रचनावाद उपागम का प्रभाव	39
4.1.2	प्रयोगात्मक समूह के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि के लिए मध्यमान, प्रामाणिक विचलन, चिन्ता गुणांक, शतांक मान	40
4.2.0	विद्यार्थियों की रचनावाद उपागम के प्रति प्रतिक्रिया	41
4.2.1	प्रयोगात्मक समूह की प्रतिक्रिया	42
4.3.0	प्रयोगात्मक एवं नियंत्रित समूह के विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि का मध्यमान व प्रामाणिक विचलन	43
4.4.0	विद्यार्थियों की हिन्दी उपलब्धि पर प्रभाव	44
4.4.1	उपचार का हिन्दी उपलब्धि पर प्रभाव	44
पंचम	**सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव**	**45-49**
5.0.0	प्रस्तावना	45
5.1.0	निष्कर्ष	46
5.1.1	रचनावाद, उपागम की प्रमाणिकता का अध्ययन	46
5.2.0	शोध अभिकल्प	46
5.3.0	प्रतिदर्श	46
5.4.0	शोध उपकरण	47
5.5.0	प्रयुक्त सांख्यिकी	47
5.6.0	अध्ययन के उद्देश्य	47
5.7.0	अध्ययन की परिकल्पनाऐं एवं निष्कर्ष	47
5.8.0	शैक्षिक निहितार्थ	47
5.9.0	भावी शोध हेतु सुझाव	49
5.10.0	शोध का परिसीमांकन	49
5.11.0	शोध अध्ययन का निष्कर्ष	49

- संदर्भ
- परिशिष्ट
  - हिन्दी उपलब्धि परीक्षण
  - प्रतिक्रिया मापनी
  - लेसन रिपोर्ट

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library